शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में हिंदी दिवस का आयोजन

हिंदी हमारी मातृभाषा होने के बावजूद भी उपेक्षाओं की शिकार होती जा रही

बलरामपुर (अंस)। शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग द्वारा *हिंदी दिवस समारोह का आयोजन* प्राचार्य प्रो. एन के देवांगन के मुख्य आतिथ्य में किया गया। हिंदी दिवस के आयोजन में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने बड़ी संख्या में भाग ली। हिंदी भाषा पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि हिंदी भाषा वर्तमान समय में उपेक्षा का शिकार हो रही है। जबकि हिंदी भाषा हमारी जीवन का अनिवार्य हिस्सा है और हिंदी भाषा पर हमें गर्व होना चाहिए। शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में आयोजित हिंदी दिवस समारोह में मुख्य वक्तव्य हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ उमेश कुमार पांडेय ने दिया। साथ ही साथ अपनी चिंता जाहिर किया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा होने के बाद भी कई बार उपेक्षा का शिकार हो जाती है। छात्र-छात्राओं ने परिचर्चा के दौरान कहा कि हिंदी हमारी जीवन शैली का अनिवार्य हिस्सा है और हमें इसके विकास के प्रति सचेत होना चाहिए और हिंदी भाषा के प्रयोग करने में हमें गर्व होनी चाहिए। महाविद्यालय की छात्रा प्रियंका जायसवाल ने कहा कि हिंदी से कटना अपनी जड़ों से कटना है अतः हमें अगर जीवित रहना है तो हिंदी के साथ चलना होगा। डॉ अर्चना गुप्ता ने हिंदी भाषा के संबंध में विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों और संविधान सभा में हिंदी पर हुई विमर्श की चर्चा की। उन्होंने हिंदी भाषा के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील रहने की आवश्यकता जताई। डॉ सत्यनारायण साहू ने अन्य भाषाओं के प्रति उदार रवैया अपनाते हुए हिंदी के विकास की बात कही। मुख्य वक्तव्य देते हुए हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ उमेश कुमार पांडेय ने हिंदी के समक्ष वैश्विक चुनौतियों की चर्चा की और कहा कि हिंदी के विकास में ही देश की विकास सूत्र है। उन्होंने कहा कि अपनी भाषा और संस्कृति के विकास के प्रति सदैव सचेत रहना चाहिए ऐसे समय में जब दुनिया की बहुत सी भाषाएं संकट के दौर से गुजर रही हो हिंदी की बढ़ती स्वीकार्यता उसकी वैश्विक भाषा होने का बोध कराती है। हिंदी *विभागाध्यक्ष डॉ उमेश कुमार पांडेय* ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा हिंदी को आधिकारिक भाषा का दर्जा देने की आवश्यकता जताई। मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रोफेसर इनके देवांगन ने छात्र-छात्राओं को हिंदी के विकास के लिए प्रेरित किया और विद्यार्थियों को वर्तनी गत अशुद्धियों से बचने की सलाह दी। उन्होंने छात्र-छात्राओं को हिंदी के विकास का संकल्प भी दिलाया इस अवसर पर शैलेश कनौजिया कुमारी अंकिता लकड़ी नीतू प्रेमा कुजूर महेंद्र रजक उपेंद्र रजक उदयसिंह सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

Scanned by CamScanner

जागरूक करने का प्रयास किया। इस दौरान विद्यालयीन छात्रों के साथ-साथ शिक्षक भी उप

हिन्दी दिवस समारोह का हुआ आयोजन

बलरामपुर। 16 सितम्बर। रिहन्द समाचार।

शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन प्राचार्य प्रो. एन.के. देवांगन के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

मुख्य वक्तव्य हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय ने दिया। इस अवसर पर आयोजित परिचर्चा में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने हिन्दी भाषा पर प्रकाश डालते हुए उसकी वर्तमान समस्याओं पर विचार रखे। हिन्दी हमारी मातृभाषा होने के बाद भी कई बार उपेक्षा का शिकार हो जाती है इसपर चिंता व्यक्त की गई।

छात्र-छात्राओं ने परिचर्चा के दौरान कहा कि हिन्दी हमारी जीवन पद्धति का अनिवार्य हिस्सा है हमें उसके विकास के प्रति सचेत होना चाहिए और हिन्दी के प्रयोग में गर्व का अनुभव करना चाहिए। प्रियंका जायसवाल ने कहा कि हिन्दी से कटना अपनी जड़ों से कटना है अतः हमें अगर जीवित रहना है तो हिन्दी के साथ चलना होगा। डॉ. अर्चना गुप्ता ने हिन्दी के संबंध में विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों और संविधान सभा में हिन्दी पर हुए विमर्श की चर्चा की। उन्होंने हिन्दी के विकास के लिए प्रयत्नशील रहने की आवश्यकता जताई।

डॉ. सत्यनारायण साहू ने अन्य भाषाओं के प्रति उदार रवैया अपनाते हुये हिन्दी के विकास की बात कही। मुख्य वक्तव देते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय ने हिन्दी के समक्ष वैश्विक चुनौतियों की चर्चा की और कहा कि हिन्दी के विकास में ही देश के विकास का सुत्र है। हमें अपनी भाषा और संस्कृति के विकास के प्रति सदैव सचेत रहना चाहिए। ऐसे समय में जब दुनिया की बहुत सी भाषाएं संकट के दौर से गुजर रही हों हिन्दी की स्वीकार्यता उसकी वैश्विक भाषा होने का बोध कराती है। उन्होंनें संयुक्त राष्ट्र द्वारा हिन्दी को आधिकारिक भाषा का दर्जा देने के विकास के लिए प्रेरित किया और विद्यार्थियों को वर्तमान अशुद्धियों से बचने की सलाह दी। उन्होंने छात्र-छात्राओं को हिन्दी के विकास का संकल्प भी दिलाया।

इस अवसर पर शैलेष कन्नौजिया, कुमारी अंकित लकड़ा, नीतू प्रेमा कुजूर, महेन्द्र रजक, उपेन्द्र रजक, उदय सिंह सहित बड़ी संख्या में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

Scanned by CamScanner